

Содержание

| | |
|---|-----|
| Введение | 4 |
| Архимандрит Серапион (Машкин) и священник Павел Флоренский | 7 |
| Архимандрит Серапион (Машкин): жизнеописание | 27 |
| Машкин о себе | 30 |
| Детство | 32 |
| Петербург: морская служба (обучение в Морском училище, 1868–1874; служба гардемаринном и мичманом, 1874–1876)..... | 39 |
| Петербург: учеба в университете (1877–1881)..... | 43 |
| Болезнь (1882–1884)..... | 49 |
| Афон (1884–1889)..... | 55 |
| Годы борьбы (1889–1892)..... | 60 |
| Московская духовная академия (1892–1896)..... | 62 |
| Московский период (1896–1900) | 70 |
| Последние годы жизни. Беяево — Оптиная пустынь (1900–1905) | 80 |
| Архимандрит Серапион (Машкин): «Система Философии» | 92 |
| Предварительные замечания..... | 92 |
| Основания системы | 105 |
| Высший закон тождества и Триединство..... | 113 |
| Творение..... | 117 |
| Эволюция | 127 |
| Антропология..... | 132 |
| Конец мира..... | 141 |
| Аскетика и христианство | 145 |
| Заключение..... | 151 |
| Приложение | 153 |